

कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक (संरक्षण) मध्य प्रदेश भोपाल
क्रमांक/1-अ/ 1675 भोपाल, दिनांक, 19-6-98
प्रति, सम्बन्धित वन संरक्षक,
सम्बन्धित वन मण्डलाधिकारी
मध्य प्रदेश


विषय :- वन अपराध प्रकरणों में त्वरित जांच 1

—0000—

प्रमुख सचिव वन द्वारा माह जून 98 में सम्पन्न विभाग की समीक्षा बैठक में भारी संख्या में लम्बित वन अपराध प्रकरणों एवं न्यायालय में प्रस्तुत वन अपराध प्रकरणों की सामयिक समीक्षा न होने के संबंध में गहरी चिन्ता प्रकट की है। वन अपराध प्रकरण वर्षों से लम्बित रहने एवं गंभीर प्रकरणों के संबंध में न्यायालय में चालान प्रस्तुत नहीं करने एवं न्यायालय में विचाराधीन वन अपराध प्रकरणों की उचित ढंग से पैरवी नहीं करने के कारण ही वन अपराध प्रकरणों में उन्तरोन्तर वृद्धि हो रही है।

इस संदर्भ में इस कार्यालय द्वारा समय समय पर निर्देश प्रसारित किये गये हैं जिन में विशेष अभियान चलाकर प्रकरणों की त्वरित निराकरण की बात कही गई है। ऐसे अभियानों में क्या उपलब्धी रही है। इसके संबंध में प्रतिवेदन भी मांगे जाते रहे हैं किन्तु संभवतः आपके द्वारा इस ओर विशेष ध्यान नहीं ली गई है। इस कार्यालय द्वारा अक्टूबर '97 में वन अपराध प्रकरणों की जांच प्रश्न के विषय में पत्र क्रमांक 2995 दिनांक 29-10-97 द्वारा विस्तृत निर्देश दिये गये जिसमें यह कहा गया है कि वन अपराध प्रकरणों की जांच कर वसूली के साथ प्रश्न की कार्यवाही अथवा न्यायालय में प्रस्तुत करने की कार्यवाही कालातीत होने के पूर्व अर्थात् एक वर्ष के अंतर्गत पूर्ण करा ली जाय। यह भी सुझाव दिया गया है कि 1-1-97 के बाद जारी किये गये वन अपराध प्रकरणों की जांच एवं निराकरण की उचित कार्यवाही इस प्रकार से समयवद्ध कार्यक्रम के अनुसार की जाय जिससे 1-1-97 के बाद कोई भी प्रकरण निराकरण हेतु लम्बित न रहे। इन्हीं निर्देशों में यह भी कहा गया था कि वन मण्डलाधिकारी प्रत्येक माह एवं वन संरक्षक तीन माह के अंतराल में लम्बित प्रकरणों की समीक्षा आवश्यक रूप से करें जिससे स्थिति का आंकलन होता रहे।

आपके द्वारा की गई ^{विभागीय} समीक्षा में क्या परिणाम मिले कृपया 30-6-98 तक मुझे सूचित करने का कष्ट करें। प्रमुख सचिव वन महोदय ने यह भी निर्देश दिये हैं कि आगामी वर्षा ऋतु में वन अपराध प्रकरणों की जांच हेतु विशेष अभियान चलाये जाय इस प्रकार वन अपराध प्रकरणों का निराकरण किया जाय जिससे कालातीत होने वाले प्रकरणों को शेष न रहें साथ ही पुराने प्रकरणों की संख्या न्यूनतम पर लाई जाय। इस अभियान की समाप्ति पर निराकृत किये गये प्रकरणों को वृत्तवार जानकारी संकलित कर मुझे 15-10-98 तक आवश्यक रूप से प्रस्तुत की जाय। कृपया इसे उचित प्राथमिकता देने का कष्ट करें।


मुख्य वन संरक्षक (संरक्षण),
मध्य प्रदेश .